LETTER OF INTENT

Between

The Indian Council of Medical Research, Department of Health Research,
Ministry of Health & Family Welfare;
The Department of Biotechnology, Ministry of Science and Technology
of
The Republic of India

And

The National Institute of Allergy and Infectious Diseases,
National Institutes of Health, Department of Health and Human Services
of
The United States of America

On Antimicrobial Resistance Research

The Indian Council of Medical Research (ICMR), Department of Health Research, Ministry of Health and Family Welfare, and the Department of Biotechnology (DBT), Ministry of Science and Technology, of the Republic of India, and the National Institute of Allergy and Infectious Diseases, National Institutes of Health, Department of Health and Human Services of the United States of America;

Noting the Vaccine Action Program (VAP) Agreement between the United States of America and the Republic of India renewed in 2012 to address multiple aspects of infectious disease research ranging from fundamental microbiology and immunology, emerging challenges and the management of diseases that become resistant to therapy;

Recognizing the capacity of India and the United States, through multiple governmental and extramural entities, to undertake successful and mutually beneficial cooperation in infectious disease research;

Recognizing the heavy burden of illness imposed globally by emergence of antimicrobial drug-resistance (AMR) and its impact on global health security;

Desiring to strengthen cooperation between the United States of America and the Republic of India in antimicrobial resistance research to include but not limited to the following areas:

- Mechanism of antimicrobial resistance, including application of systems biology
- Comparative testing and assisting the validation of new diagnostics
- Development of novel interventions
- Explore possible patterns of AMR in neonatal intensive care units as observed in India and the US
- Explore possible collaboration in clinical studies to determine new and combinations/uses of old drugs

- नवजात गहन चिकित्सा इकाईयों में एएमआर के संभावित तरीकों का पता लगाना जैसा कि भारत और संयुक्त राज्य में देखा जाता है
- नवीन और पुरानी औषधियों के संयोजन/प्रयोग का निर्धारण करने हेतु चिकित्सीय अध्ययनों में संभावित सहयोग का पता लगाना

वैक्सीन ऐक्शन कार्यक्रम के साथ एएमआर पर केन्द्रित बिन्दु को शामिल करने के लिए वीएपी के संयुक्त कार्य समूह के निर्णय को स्वीकार करने और इस कार्यक्षेत्र में तेजी से प्रगति लाने के लिए एक बहु पार्टी वैज्ञानिक संचालन समूह की स्थापना करने हेतु, इस संकल्प पत्र पर नई दिल्ली, भारत में 25 जून, 2015 को हस्ताक्षर किया जाएगा ।

संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रीय ऐलर्जी और संक्रामक रोग संस्थान, राष्ट्रीय स्वास्थ्य संस्थान, स्वास्थ्य और मानव सेवा विभाग हेतु Richard R. Verma --- (रिचर्ड वर्मा, भारत में अमेरिकी राजदूत)	भारत गणराज्य के भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद, स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग, स्वास्थ्य परिवार कल्याण मंत्रालय हेतु बी. पी. शर्मा --- (बी. पी. शर्मा) (सचिव, स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग) भारत गणराज्य के जैवप्रौद्योगिकी विभाग, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय की ओर से: के विजयराघवन --- (प्रो. के. विजयराघवन) (सचिव, जैवप्रौद्योगिकी विभाग)

सूक्ष्मजीवीरोधी प्रतिरोध अनुसंधान पर

भारत गणराज्य के

भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद, स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग,

स्वास्थ्य परिवार कल्याण मंत्रालय;

जैवप्रौद्योगिकी विभाग, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय

तथा

संयुक्त राज्य अमेरिका के

राष्ट्रीय ऐलर्जी और संक्रामक रोग संस्थान, राष्ट्रीय स्वास्थ्य संस्थान,

स्वास्थ्य और मानव सेवा विभाग

के बीच

संकल्प–पत्र

भारत गणराज्य के भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर), स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय और जैवप्रौद्योगिकी विभाग (डीबीटी), विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय तथा संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रीय ऐलर्जी और संक्रामक रोग संस्थान, राष्ट्रीय स्वास्थ्य संस्थान, स्वास्थ्य और मानव सेवा विभाग;

मौलिक सूक्ष्मजीवविज्ञान एवं इम्यूनोलॉजी, उभरती चुनौतियों और रोगों के प्रबंधन, जो उपचार के लिए प्रतिरोधी हो जाते हैं, से लेकर संक्रामक रोग अनुसंधान के बहुत से पहलुओं को संबोधित करने हेतु वर्ष 2012 में नवीनीकृत संयुक्त राज्य अमेरिका और भारत गणराज्य के बीच में वैकसीन ऐक्शन प्रोग्राम (वीएपी) टिप्पणी हेतु समझौता को ध्यान में रखकर;

संक्रामक रोग अनुसंधान क्षेत्र में सफल और पारस्परिक रूप से लाभदायक सहयोग शुरू करने हेतु कई सरकारी और बाह्य संस्थानों के माध्यम से भारत और संयुक्त राज्य की क्षमता की पहचान करके;

सूक्ष्मजीवीरोधी औषधि प्रतिरोध (एएमआर) के उभरने और वैश्विक स्वास्थ्य सुरक्षा इसके प्रभाव से विश्व स्तर पर उत्पन्न बीमारी के भारी बोझ की पहचान करके;

सूक्ष्मजीवीरोधी प्रतिरोध अनुसंधान में निम्नलिखित क्षेत्रों परन्तु इन तक ही सीमित नहीं, को शामिल करने के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका और भारत गणराज्य के बीच में सहयोग को मजबूत करने की अभिलाषा है:

- सूक्ष्मजीवीरोधी प्रतिरोध की प्रकिर्या, जैविकी प्रणालियों के अनुप्रयोग सहित
- नवीन नैदानिकी का तुलनात्मक परीक्षण और वैधता निर्धारण में सहायता
- नवीन इंटरवेंशस का विकास

Acknowledging the decision of the VAP Joint Working Group to include a focus on AMR with the VAP and to establish a multi-party scientific steering group to advance this program area expeditiously, this Letter of Intent is signed at New Delhi, India on June 25, 2015.

For the National Institutes of Health, Department of Health and Human Services Government of the United States of America: (Richard Verma, Ambassador of the USA to India)	For the Indian Council of Medical Research, Department of Health Research, Ministry of Health & Family Welfare Government of the Republic of India: (B. P. Sharma) (Secretary, Department of Health Research) For the Department of Biotechnology, Ministry of Science & Technology Government of the Republic of India: (Prof. K Vijay Raghavan) (Secretary, Department of Biotechnology)